**संख्या-12/2018/161/सैंतीस-2-2018-1(38)/2013टीसी**

प्रेषक,

**डॉ0 सुधीर एम. बोबडे,**
**प्रमुख सचिव,**
**उ0प्र0 शासन।**

सेवा में,

**मुख्य पशुचिकित्साधिकारी,**
**बस्ती।**

पशुधन अनुभाग-2 लखनऊ :: दिनांक-08 फरवरी, 2018

विषयः- **चालू वित्तीय वर्ष 2017-18 में पशु चिकित्सा पालीक्लीनिक की स्थापना (जि.यो.) के अन्तर्गत प्राविधानित धनराशि की वित्तीय स्वीकृति।**

महोदय,

उपर्युक्त विषयक निदेशक, प्रशासन एवं विकास, पशुपालन विभाग, उ0प्र0 के पत्र सं0-315/सा0-1/एक्स-120(187)/पालीक्लीनिक-एस.एन.डी./2014-15, दिनांक-09.01.2018 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि चालू वित्तीय वर्ष 2017-18 में अनुदान सं0-15 के अधीन लेखाशीर्षक-4403-पशुपालन पर पूँजीगत परिव्यय-101-पशु चिकित्सा सेवायें तथा पशु स्वास्थ्य-13-पशु चिकित्सा पालीक्लीनिक की स्थापना (जि.यो.)-24-वृहत् निर्माण कार्य में प्राविधानित धनराशि से जनपद बस्ती में अत्याधुनिक पशुचिकित्सा पालीक्लीनिक, आवास तथा गैराज के निर्माण हेतु आंकलित पुनरीक्षित लागत रू0-694.35 लाख के सापेक्ष अवशेष रू0-55.80 लाख (रूपये पचपन लाख अस्सी हजार मात्र) की धनराशि की वित्तीय स्वीकृति अधोलिखित प्रतिबन्धों के अधीन श्री राज्यपाल सहर्ष प्रदान करते हैं:-

1. चालू वित्तीय वर्ष 2017-18 की जिला योजना का जनपदवार/योजनावार परिव्यय निर्धारित होने पर निर्गत वित्तीय स्वीकृति को आवंटित परिव्यय में समायोजित कराते हुए यथावश्यकता जिला योजना समिति का कार्योत्तर अनुमोदन प्राप्त किये जाने का समस्त उत्तरदायित्व निदेशक, प्रशासन एवं विकास, पशुपालन विभाग, उ0प्र0 का होगा।
2. प्रश्नगत परियोजना का कार्य पूर्ण होने पर कार्यदायी संस्था से कार्य के सम्परीक्षित लेखे प्राप्त किये जाने का उत्तरदायित्व निदेशक, प्रशासन एवं विकास, पशुपालन विभाग, उ0प्र0 का होगा।
3. स्वीकृत धनराशि का आहरण/व्यय अनुमोदित कार्य योजना एवं निर्धारित गाइडलाइन्स के अनुसार करते हुए व्यय विवरण सहित उपयोगिता प्रमाण-पत्र शासन को उपलब्ध कराया जायेगा।
4. प्रश्नगत परियोजना की आंकलित पुनरीक्षित लागत के सम्बन्ध में निर्गत शासनादेश संख्या-4077/सैंतीस-2-2015-1(38)/13टीसी, दिनांक-18.03.2016 में अंकित निर्देशों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
5. प्रश्नगत कार्य प्रारम्भ किये जाने से पूर्व वित्तीय नियम संग्रह भाग-6 के अध्याय-12 के प्रस्तर-318 में वर्णित व्यवस्था के अनुसार प्रायोजना पर सक्षम स्तर से तकनीकी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जायेगी तथा सक्षम स्तर से तकनीकी स्वीकृति प्राप्त होने के पश्चात ही कार्य प्रारम्भ किया जायेगा।
6. प्रश्नगत कार्य प्रारम्भ किये जाने से पूर्व समस्त आवश्यक वैधानिक अनापत्तियाँ एवं पर्यावरणीय क्लियरेन्स सक्षम स्तर से प्राप्त कर लिया जायेगा तथा मानचित्रों को आवश्यकतानुरूप स्थानीय विकास प्राधिकरण/सक्षम लोकल अथॉरिटी से स्वीकृत करा लिया जायेगा।
7. निर्माण कार्यों की गुणवत्ता उत्कृष्ट कोटि की हो, इसकी पूर्ण जिम्मेदारी कार्यदायी संस्था की होगी तथा समय-समय पर स्थलीय अनुश्रवण कर गुणवत्ता सुनिश्चित कराये जाने का उत्तरदायित्व निदेशक तथा निदेशालय के सम्बन्धित अधिकारियों का होगा।
8. प्रायोजना में मात्राओं को निर्माण के समय सुनिश्चित किये जाने का पूर्ण उत्तरदायित्व कार्यदायी संस्था के सक्षम अधिकारी/अधिशासी अभियन्ता का होगा।

---

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in

9. स्वीकृत धनराशि एकमुश्त न आहरित कर कार्य की आवश्यकतानुसार आहरित कर व्यय की जायेगी तथा आहरित धनराशि बैंक, डाकघर, डिपाजिट खाते अथवा पी.एल.ए. में नहीं रखी जायेगी।
10. स्वीकृत धनराशि का व्यय वित्तीय हस्तपुस्तिका के सुसंगत प्राविधानों एवं समय-समय पर शासन द्वारा निर्गत शासनादेशों के अनुरूप किया जायेगा।
11. स्वीकृत धनराशि का व्यय प्रत्येक दशा में उसी कार्य/मद में किया जायेगा, जिसके लिए धनराशि स्वीकृत की जा रही है।
12. यह सुनिश्चित किया जाय कि स्वीकृत किये जा रहे कार्य हेतु पूर्व में राज्य सरकार अथवा अन्य किसी स्रोत से धनराशि स्वीकृत नहीं की गयी है और न ही यह कार्य किसी अन्य योजना में सम्मिलित है।
13. उक्त धनराशि का व्यय/उपकरणों आदि का क्रय स्टोर पर्चेज रूल्स वित्तीय हस्तपुस्तिका के सुसंगत नियमों व समय-समय पर शासन द्वारा निर्गत शासनादेशों के अनुरूप किया जायेगा।
14. प्रश्नगत धनराशि के आहरण/व्यय में वित्त (आय-व्ययक) अनु0-1 के कार्यालय-ज्ञाप संख्या-8/2017/बी-1-1190/दस-2017-231/2017, दिनांक-03.08.2017 तथा शासनादेश संख्या-बी-1-1195/दस-16/94, दिनांक-06.06.1994 का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

2- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2017-18 में अनुदान सं0-15 के अधीन लेखाशीर्षक-4403-पशुपालन पर पूँजीगत परिव्यय-101-पशु चिकित्सा सेवायें तथा पशु स्वास्थ्य-13-पशु चिकित्सा पालीक्लीनिक की स्थापना (जि.यो.)-24-वृहत् निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा।

3- यह आदेश वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 के कार्यालय-ज्ञाप संख्या-8/2017/बी-1-1190/दस-2017-231/2017, दिनांक-03.08.2017 में प्रदत्त अधिकारों के अधीन जारी किए जा रहे हैं।

भवदीय,

**(डॉ0 सुधीर एम. बोबडे)**
प्रमुख सचिव।

**<u>पृ0सं0-12/2018/161(1)/सैंतीस-2-2018- तददिनांक।</u>**

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1- महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी)/(लेखा-परीक्षा) प्रथम/द्वितीय, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।
2- निदेशक, प्रशासन एवं विकास/वित्त नियंत्रक, पशुपालन विभाग, उ0प्र0, लखनऊ।
3- संयुक्त निदेशक (नियोजन), पशुपालन विभाग, उ0प्र0, लखनऊ।
4- जिलाधिकारी, बस्ती एवं मुख्य/वरिष्ठ कोषाधिकारी, बस्ती।
5- वित्त (व्यय नियंत्रण) अनु0-2/नियोजन अनु0-3।
6- सम्बन्धित कार्यदायी संस्था।
7- श्रम अनुभाग-2/गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

**(डा0 प्रहलाद बरनवाल)**
अनु सचिव।

---

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।
2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in